संख्या-431/2025/1624/22-2-2022-17(556)/2020

प्रेषक,

शिव गोपाल सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 *लखनऊ: दिनांक 08 मई, 2025*

विषय:- जिला कारागार, बाराबंकी में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी श्री विनय कुमार तिवारी पुत्र श्री जगदम्बा प्रसाद तिवारी, निवासी जनपद-गोण्डा की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ अधीक्षक(मु0) कारागार के पत्र संख्या-14703/प्रोबे0-5-दया0 बैठक-16-03-2022, दिनांक 09.05.2022 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, बाराबंकी में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी श्री विनय कुमार तिवारी पुत्र श्री जगदम्बा प्रसाद तिवारी, मिश्रनपुरवा, मौजा-जिगना, थाना-मनकापुर, जनपद-गोण्डा का निवासी है। बन्दी द्वारा पत्नी के पिता की सम्पत्ति में आधा हिस्सा न मिलने के कारण दिनांक 09-05-2010 को 01 सहअभियुक्त के साथ मिलकर जलाकर अपनी पत्नी की हत्या कारित की गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-320/2010 में भा0द0वि0 की धारा-302,201 के अन्तर्गत मा0 न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0-2 गोण्डा के आदेश दिनांक 31.10.2011 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया, जिसे मा0 उच्च न्यायालय लखनऊ खण्डपीठ लखनऊ के आदेश दिनांक 16-05-2013 द्वारा सजा को यथावत रखा गया, बंदी द्वारा दिनांक 04.03.2022 तक 11 वर्ष 09 माह 22 दिन की अपरिहार सजा तथा 14 वर्ष 05 माह 22 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधीक्षक, गोण्डा द्वारा बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नही की गयी है। दयायाचिका समिति द्वारा बन्दी की उम्र 41 वर्ष तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, गोण्डा द्वारा समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं किये जाने के दृष्टिगत सभी बिन्दुओं पर सम्यक विचारोपरान्त समिति द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि जिला कारागार, बाराबंकी में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी श्री विनय कुमार तिवारी (बन्दी संख्या-285/2018) पुत्र श्री जगदम्बा प्रसाद तिवारी, निवासी जनपद-गोण्डा की भारत का संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,
शिव गोपाल सिंह
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

संख्या-431/2025/1624(1)/22-2-2022 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- जिला मजिस्ट्रेट, गोण्डा।

2- अधीक्षक, जिला कारागार, बाराबंकी।

3- निजी सचिव, मा0 मंत्री कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।

4- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।

5- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।